卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 121 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦6 फरवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

संत महापुरुष देश के सांस्कृतिक योद्धाः राजनाथ सिंह

ब्रह्मलीन स्वामी सत्यामित्रानंद गिरि महाराज के श्रीविग्रह मूर्ति स्थापना समारोह में अंतिम दिन जुटे दिग्गज

हरिद्वार। भारत माता मंदिर के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी सत्यामित्रानंद गिरि महाराज की पावन स्मृतियों को विराट स्वरूप प्रदान करने हेतु उनकी समाधि स्थली पर "श्रीविग्रह मूर्ति स्थापना समारोह" का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन का शुक्रवार को समापन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, केंद्रीय मंत्री मोहनलाल खट्टर सहित दिग्गज शामिल हुए। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखण्ड के सीएम पुष्कर सिंह धमी ने स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की मूर्ति का विध्वित अनावरण किया और उनकी प्राण प्रतिष्ठा के ध ार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की। श्रीविग्रह मूर्ति स्थापना के बाद आयोजन स्थल पर धर्म सभा शुरू हुई। कार्यक्रम में वैदिक आचार्यों द्वारा विशेष पूजन, मंगलाचार एवं गुरुचरण वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भारत माता मंदिर समन्वय सेवा ट्रस्ट, हरिद्वार की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित 'समन्वय पुरस्कार' भी प्रदान किया गया। इस वर्ष यह सम्मान स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के डॉ. अनुज सिंघल एवं डॉ. तारा सिंघल को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। यह पुरस्कार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, केंद्रीय मंत्री मोहनलाल खट्टर, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद (शेष पृष्ठ सात पर)

बागेश्वर में भूकंप के झटकों से मचा हड़कम्प

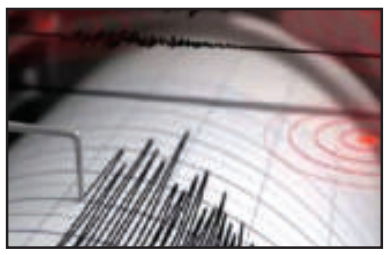

बागेश्वर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में एक बार फिर धरती डोलने से हड़कंप मच गया। शुक्रवार सुबह बागेश्वर जिले और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.4 मापी गई है। हालांकि, राहत की बात यह है कि कहीं से भी किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप सुबह 07:48:37 बजे आया। इसका केंद्र बागेश्वर के कपकोट क्षेत्र में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। सुबह-सुबह आए इन झटकों के कारण दहशत फैल गई और कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।मामले की जानकारी देते हुए जिला आपदा प्रबंधन (शेष पृष्ठ सात पर)

जहरीला पदार्थ पीने से भाजपा नेता सहित दो की मौत, एक गंभीर

खटीमा (उद संवाददाता)। कंजाबाग जानकी मंडप के स्वामी समाजसेवी एवं जनजाति समाज में मजबूत पकड़ रखने वाले भाजपा नेता ढिल्लू सिंह राणा व उसके एक साथी मलकीत सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ पीने से मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना में उनके साथ मौजूद अधि वक्ता प्रवेश मौर्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों एक विवाह समारोह में शामिल होकर ग्राम सेजना के पास से लौट रहे थे। इसी दौरान कंजाबाग स्थित शराब भट्टी से शराब की बोतल खरीदकर जानकी मंडप के पास बैठकर जैसे ही पहला पैक लिया। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल निजी वाहन से उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान ढिल्लू सिंह राणा की मौत हो गई। जबकि अधिवक्ता प्रवेश मौर्या व मलकीत सिंह राणा को गंभीर हालत में हायर सेंटर रैफर कर दिया गया। जहां रात्रि में (शेष पृष्ठ सात पर)

घटना में साजिश की आशंका, आरएसएस से जुड़े थे दोनों मृतक

खटीमा। भाजपा नेता ढिल्लू सिंह राणा और उनके साथी मलकीत सिंह की मौत ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। दोनों के साथ मौजूद अधिवक्ता प्रवेश मौर्य की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। इस घटना को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं और जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। ढिल्लू सिंह राणा थारू समाज के बड़े और प्रभावशाली भाजपा नेता माने जाते थे। सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। वहीं, मृतक मलकीत सिंह के साथ-साथ ढिल्लू सिंह राणा के आरएसएस से जुड़े होने की भी चर्चा सामने आ रही है, जिससे मामला और संवेदनशील (शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क हादसे में युवक की मौत, 4 दिन में 3 मृत्यु

लगातार बढ़ रहे सड़क हादसे छीन रहे परिवारों की खुशियां

सितारगंज(उद संवाददाता)। खटीमा मार्ग में हुए सड़क हादसे में पैदल युवक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक की पत्नी, छोटे छोटे बच्चों का रोकर बुरा हाल हैं। पिछले चार दिन में हुए सड़क हादसों में वृद्धा समेत अब तक तीन की मृत्यु हो चुकी हैं। इसके बाबजूद सड़क हादसों पर जिम्मेदार अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। जिसका खामियाजा लोग जान देकर चुका रहे हैं। शुक्रवार को किच्छा रोड के रमपुरा वार्ड निवासी 35 वर्षीय गुड्डू को खटीमा रोड स्थित निजी विद्यालय के समीप अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि युवक रात से घर नहीं आया था। हादसा कब हुआ इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता लग सकेगा। शुक्रवार की सुबह समाजसेवी इमरान मौके पर पहुंचे। उन्होंने खून से लथपथ शव को पुलिस की मदद कर अस्पताल पहुंचाया। मृतक अपने पीछे पत्नी और छोटे- छोटे बच्चों को रोता बिलखता छोड़ गए। मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं हैं। हादसे की सूचना मिलते ही सभासद अविनाश वाल्मीकि, निसार सलमानी अस्पताल पहुंचे उन्होंने शव का पंचायतनामा करवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्र में लगातार सड़क हादसे बढ़ रहे हैं। सड़क हादसों के कारण कई घरों के चिराग बुझ गए हैं। इसके साथ ही अधिकांश लोगों की हादसों की चपेट में आकर हड्डियां टूट गई है वे अपाहिज हो गए हैं। इससे पूर्व 3 फरवरी को कठगरी निवासी मो काजिम सड़क किनारे गांव के पास (शेष पृष्ठ 7 पर)

पिकअप और कार की भिड़ंत में दो डॉक्टर गंभीर

रामनगर(उद संवाददाता)। नेशनल हाईवे 309 पर रामनगर से आगे रिंगोड़ा के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक पिकअप वाहन और कार के बीच हुई जोरदार टक्कर में कार सवार युवक -युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बरेली स्थित रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज में एनेस्थेजिया विभाग के पीजीजेआर सेकंड ईयर के छात्र-छात्रा डॉ. प्रस्तुति और डॉ. अभिषेक के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों डॉक्टर कार से गर्जिया की ओर जा रहे थे, तभी रिंगोड़ा के पास सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों डॉक्टर अंदर ही फंस गए। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। (शेष पृष्ठ सात पर)

कार-बाइक की भीषण टक्कर में दो युवक गंभीर

रुद्रपुर। शहर की भूरारानी रोड पर गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना गुरुवार की रात करीब 12 बजे राधेश्याम पेट्रोल पंप के पास की बताई जा रही है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक सड़क पर जा गिरे। घायलों की पहचान अभी कोली और विशाल कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अभी की टांग में गंभीर चोट आई है, जबकि विशाल के सिर पर गहरी चोट लगी है। दोनों को मौके पर पहुंची मदद से तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार अभी कोली काशीपुर रोड स्थित तेल मिल क्षेत्र के आसपास किसी कॉलोनी का निवासी बताया जा रहा है, जबकि विशाल कुमार भूरा रानी क्षेत्र का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए पेट्रोल पंप पर की ओर जा रहे थे,तभी पेट्रोल पंप के पास कर सवार ने उन्हें ठोक दिया।

चोरी हुई क्रेटा कार पांच दिन बाद बरामद, शौक पूरा करने को युवक ने की थी चोरी

किच्छा (उद संवाददाता)। दरऊ चौक से पांच दिन पूर्व चोरी हुई क्रेटा कार को पुलिस ने बरामद कर लिया है। कार की बरामदगी काफी नाटकीय ढंग से हुई, जिसमें कार चुराने वाला युवक भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। देवभूमि व्यापार मंडल के नगर महामंत्री नितिन फुटेला ने बताया कि व्यवसायी परवेश अरोरा की कार बीती 1 फरवरी को चोरी हुई थी, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेस कर लिया। जानकारी के अनुसार, कार चोरी की इस घटना को किसी पेशेवर अपराध ी ने नहीं, बल्कि स्थानीय एक युवक ने ही अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक अपने परिवार से कार दिलाने की जिद कर रहा था और अपना शौक पूरा करने के लिए उसने दरऊ चौक से कार उड़ा ली। चोरी के बाद वह युवक कार लेकर लालकुआं, हल्द्वानी, काठगोदाम, रुद्रपुर और केलाखेड़ा जैसे कई क्षेत्रों में घूमता रहा। हालांकि पुलिस ने अभी तक इस मामले का औपचारिक खुलासा नहीं किया है और न ही आरोपी की गिरफ्तारी की सटीक जगह बताई है, लेकिन व्यापार मंडल ने पुलिस की इस त्वरित सफलता पर संतोष व्यक्त किया है।

आवश्यकता है

रुद्रपुर स्थित एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के लिए टैली अकाउंटेंट, कैशियर, स्टोर मैनेजर आदि पदों पर युवक युवतियों एवं ड्राईवर की आवश्यकता है।
-:संपर्क करें:- 8433432291

रुद्रपुर में 95 प्रतिशत से अधिक आवारा कुत्तों की हुई नसबंदी

ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया और नगर निगम ने चलाया अभियान

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। देश में मानवीय स्ट्रीट डॉग जनसंख्या प्रबंधन को लेकर जारी चर्चाओं के बीच रुद्रपुर ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया और रुद्रपुर नगर निगम के संयुक्त प्रयासों से शहर की कुल स्ट्रीट डॉग आबादी के 95.3 प्रतिशत हिस्से का नसबंदी और टीकाकरण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है। तृतीय-पक्ष सर्वेक्षण के अनुसार मात्र 19 महीनों में 5,500 से अधिक स्ट्रीट डॉग की नसबंदी और रेबीज के विरुद्ध टीकाकरण किया गया, जो एमओयू में निर्धारित 80 प्रतिशत के लक्ष्य से कहीं अधिक है। अब इस कार्यक्रम का औपचारिक संचालन नगर निगम को सौंपा जाएगा। वर्ष 2024 में शुरू किया गया पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम मानव-कुत्ता संघर्ष को कम करने और रेबीज के जोखिम को घटाने पर केंद्रित था। ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया के स्ट्रीट डॉग कार्यक्रम निदेशक पीयूष पटेल ने बताया कि रुद्रपुर इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि जब कोई शहर संघर्ष के बजाय करुणा और रोकथाम को प्राथमिकता देता है, तो ठोस परिणाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावी योजना और मानकों के कड़ाई से पालन के कारण यह लक्ष्य निर्धारित समय से छह महीने पहले ही प्राप्त कर लिया गया। कार्यक्रम की सफलता में सामुदायिक सहभागिता की अहम भूमिका रही, जहां लगभग 800 कुत्तों को स्थानीय लोगों की मदद से पकड़कर उपचारित किया गया। अभियान के दौरान टीम ने कुत्तों के काटने और रेबीज से संबंधित लगभग 300 नागरिक प्रश्नों का समाधान किया। साथ ही स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को सुरक्षित सहअस्तित्व का प्रशिक्षण भी दिया गया। उत्तराखंड पशु कल्याण बोर्ड के निर्देश पर शहर के 21 क्षेत्रों में स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया। उधम सिंह नगर के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आशुतोष जोशी ने सर्वेक्षण की पुष्टि करते हुए बताया कि शहर के 95.31 प्रतिशत कुत्तों की नसबंदी, कृमिनाशन और टीकाकरण का कार्य पूरा हो चुका है। गौरतलब है कि उत्तराखंड के अन्य शहरों जैसे देहरादून में 89, नैनीताल में 99 और मसूरी में 92 प्रतिशत कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है।

जलाशयों से सिल्ट हटाने के लिए डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने हरिपुरा व बौर जलाशय में जमा सिल्ट को हटाने हेतु सिंचाई, राजस्व, वन व खनन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनहित व जलाशय की सुरक्षा के दृष्टिगत सिल्ट हटाना अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सम्बन्धित अधिकारी वर्षाकाल से पूर्व सिल्ट हटाने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि सिंचाई, राजस्व, वन एवं खनन विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त कमेटी बनाकर जलाशयों का तत्काल सर्वे करें और विस्तृत रिपोर्ट शासन को प्रेषित करें।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जनपद की अन्य नदियों में भी यदि नदी तल ड्रेजिंग कराने की आवश्यकता है, तो उनका

सर्वे करते हुए प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें ताकि मानसून सीजन से पहले ड्रेजिंग का कार्य पूर्ण किया जा सके। बैठक में उप जिलाधिकारी ओसी ऋचा सिंह, डॉ. अमृता शर्मा, अधीक्षण अभियंता सिंचाई पीके दीक्षित, अधिशासी अभियंता बीएस डांगी, जिला खनन अधिकारी मनीष कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी शशि देव उपस्थित थे, जबकि वर्चुअल माध्यम से अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र जुड़े थे।

पुलिस की तत्परता से बची युवक की जान

कमरे का दरवाजा तोड़कर बेसुध युवक को पुलिस ने दिया सीपीआर, जहर खाने से बिगड़ी थी हालत

सुल्तानपुरपट्टी (उद संवाददाता)। सुल्तानपुरपट्टी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से एक युवक की जान बच गई। टांडा बंजारा निवासी रजनी पत्नी रधुवीर सैनी द्वारा चौकी में सूचना दी गई कि उनके मकान में किरायेदार के रूप में रह रहा संजय सैनी पुत्र तेजपाल सैनी, निवासी टांडा बादली, रामपुर बीते दो-तीन दिनों से रह रहा था। वह सुबह से अपने कमरे से बाहर नहीं आया और दरवाजा खटखटाने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सुल्तानपुरपट्टी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। काफी देर तक प्रयास के बाद भी जवाब न मिलने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। अंदर संजय सैनी बिस्तर पर बेसुध अवस्था में पड़ा था और उसकी नब्ज बेहद धीमी चल रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी ने तत्काल उसे सीपीआर दिया और बिना समय गंवाए उपचार हेतु प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां इलाज के बाद युवक को होश आया।होश में आने पर युवक ने बताया कि वह घरेलू कलह से परेशान होकर सुबह चूहे मारने वाली दवा का सेवन कर चुका था। इसके बाद पुलिस ने युवक की काउंसलिंग की और उसे भविष्य में ऐसा आत्मघाती कदम न उठाने की सख्त हिदायत दी। स्थिति सामान्य होने पर युवक को उसके परिचितों और मकान मालकिन रजनी के साथ सुरक्षित घर भेज दिया गया। ऊधमसिंहनगर पुलिस की इस मानवीय और सराहनीय कार्रवाई की क्षेत्र में प्रशंसा की जा रही है।

जनपद में 20 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे शिविर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अन्तर्गत जनपद में आगामी 20 फरवरी तक शिविरों का आयोजन किया जायेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 फरवरी सोमवार को विकास खण्ड खटीमा के अन्तर्गत सनातन धर्मशाला निकट नगर पालिका खटीमा में अपर जिलाधिकारी वि./रा. की अध्यक्षता में शिविर आयोजित होगा। 10 फरवरी मंगलवार को सितारगंज के बन्नाखेड़ा शिव मंदिर के पास प्रागंण में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व 11 फरवरी को नगर पंचायत परिसर नानकमत्ता में अपर जिलाधिकारी वि./रा. की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया जाएगा।इसी क्रम में 13 फरवरी को गदरपुर के वार्ड नंबर 3 पार्किंग परिसर निकट कोतवाली में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में, 16 फरवरी को जसपुर के नगर पंचायत स्थित मंगल बाजार के बारात घर में जिलाधिकारी या मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जनसुनवाई होगी। 17 फरवरी को काशीपुर के नगर निगम परिसर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में, 18 फरवरी को बाजपुर के चीनी मिल परिसर में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व 20 फरवरी को रूद्रपुर के नगर निगम परिसर में जिलाधिकारी या मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया जायेगा।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये हैं कि कैम्प के उपरांत क्षेत्र का गहन भ्रमण किया जाए। उन्होंने कहा कि भ्रमण के दौरान उस क्षेत्र के सभी पात्र व्यक्तियों से केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के आवेदन पत्र भरवाये जाएं। प्रशासन का प्रयास है कि क्षेत्र के सभी निवासी सरकार की सभी प्रकार की योजनाओं से लाभान्वित हो सकें और कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

भारत सेवा टीम को महापौर ने किया सम्मानित, शव वाहन देने की घोषणा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। लावारिस शवों का पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने और निर्धन परिवारों की सहायता में जुटी 'भारत सेवा टीम' के निस्वार्थ प्रयासों को महापौर ने सम्मान दिया है। महापौर विकास शर्मा ने अपने कार्यालय में संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान टीम के मानवीय कार्यों से प्रभावित होकर महापौर ने नगर निगम की ओर से जल्द ही एक नया शव वाहन उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण घोषणा की। महापौर विकास शर्मा से मुलाकात के दौरान भारत सेवा टीम के अध्यक्ष मुनीष कुमार, उपाध्यक्ष नरेश कुमार, सचिव प्रवेश कुमार, सदस्य ललित बिष्ट, सोनू कोली, अर्जुन कुमार, साजन कुमार और शिवम कुमार ने उन्हें अपनी गतिविधियों से अवगत कराया। टीम ने महापौर को एक ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि संसाधनों के अभाव में लावारिस शवों को ले जाने और सामाजिक कार्यों के संपादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिस पर महापौर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए वाहन देने का भरोसा दिलाया। संस्था के सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए महापौर विकास

शर्मा ने कहा कि समाज में भारत सेवा टीम जैसे युवाओं का होना गर्व की बात है जो बिना किसी निजी स्वार्थ के मानवता की सेवा में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि लावारिस शवों का विधि-विधान से संस्कार करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है और नगर निगम ऐसी संस्थाओं को हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की मांग पर नगर निगम जल्द ही एक आधुनिक शव वाहन उपलब्ध कराएगा, ताकि शहर में लावारिस शवों और निर्धन परिवारों को अंतिम विदाई के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो। महापौर ने युवाओं से इस तरह के सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का आह्वान भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम से आशीर्वाद लिया।

अनुसूचित जाति की कृषक महिलाओं के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित

स्वरोजगार के गुर सिखाने के साथ वितरित किए गए आधुनिक कृषि उपकरण

पंतनगर (उद संवाददाता)। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-कृषिरत महिलाएं, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय तथा आईसीएआर-केंद्रीय महिला कृषि संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा संयुक्त रूप से अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग की कृषक महिलाओं के कौशल विकास के माध्यम से उनकी आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना था।कार्यक्रम के प्रथम दिन उधम सिंह नगर जिला सहकारी बैंक गदरपुर की शाखा प्रबंधक सुमन देवी तथा भारतीय स्टेट बैंक दिनेशपुर के शाखा प्रबंधक दिनेश कुमार द्वारा महत्वपूर्ण बैंकिंग एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री पेंशन योजना, अटल बीमा योजना, स्वयं सहायता समूह ऋण और दीनदयाल योजना के बारे में विस्तार से बताया। इसके पश्चात जवाहर नगर के

सुंदरम स्वयं सहायता समूह की सचिव एवं प्रशिक्षक राधा पांडे द्वारा धूप निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें गुग्गुल, लौंग, गाय के गोबर, लकड़ी का बुरादा एवं सूखे फूलों का उपयोग कर कम लागत में धूप बनाने की सतत तकनीकें सिखाई गईं।प्रशिक्षण के दूसरे दिन ग्रामीण उद्यम संवर्धन परियोजना की समन्वयक निखत तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन गदरपुर की क्षेत्र समन्वयक राधा बठला ने ग्रामीण उद्यम त्वरण परियोजना (रीप) एवं आजीविका मिशन के अंतर्गत उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी दी। इसके उपरांत मनीषा गहलौत द्वारा हर्बल होली गुलाल निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पर्यावरण अनुकूल उत्पादन विधियों पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम के दौरान 60 कृषक महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्प्रेयर पंप, गार्डन रेक, खुरपी, हार्वेस्टिंग बैग, स्टील बाल्टी, प्लास्टिक क्रेट, वाटर पाइप एवं अजोला बेड जैसे कृषि उपकरण वितरित किए गए। इस सफल आयोजन में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-कृषिरत महिलाएं की इकाई समन्वयक मनीषा गहलोत के साथ उनकी शोध टीम की बीनू सिंह, कल्पलता पंत एवं ज्योति भंडारी ने सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम को दोनों गांवों के ग्राम प्रधानों का भी विशेष समर्थन प्राप्त हुआ।

धामी सरकार का जन-जन के द्वार कार्यक्रम बना सुशासन का नया मॉडल

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम राज्य में सुशासन, पारदर्शिता और त्वरित जनसमाधान का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से सरकार सीधे जनता के द्वार तक पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रही है। 6 फरवरी 2026 तक प्रदेश के सभी 13 जनपदों में कुल 574 कैंप आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें से 12 कैंप आज आयोजित किए गए। इन कैंपों के माध्यम से अब तक 4 लाख 55 हजार 790 नागरिकों ने प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की है, जबकि आज अकेले 13 हजार 489 लोगों ने कैंपों में अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 44,602 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 30,089 शिकायतों का सफल निस्तारण किया जा चुका है। यह आंकड़े मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की समाधान के साथ शासन की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। इसके साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 64,155 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 2,52,334 नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया है। विशेष रूप से समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पेंशन, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं में बड़ी संख्या में पात्र लाभार्थियों को सहायता मिली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का दायित्व केवल नीतियां बनाना नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचाना है और जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार इसी सोच का परिणाम है। यह कार्यक्रम दूरस्थ, पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है और सुशासन के मॉडल राज्य के रूप में नई पहचान बना रहा है।

प्रभारी सचिव ने की विकास कार्यों की समीक्षा

अधिकारियों को जनोपयोगी योजनाओं का लाभ समय पर जनता को उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

नैनीताल(उद संवाददाता)।जनपद नैनीताल के प्रभारी सचिव चंद्रेश यादव ने राज्य अतिथि गृह नैनीताल में जनपद में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की । समीक्षा के दौरान सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनोपयोगी योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए जनहित में कार्य करना सुनिश्चित करें। अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल तक ले जायें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने हेतु स्वरोजगार के संसाधनों को बढ़ाये जाने हेतु रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ ही महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया जाये। जो पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ते हुए लाभांवित किया जाये। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी अहम भूमिका है, इस हेतु क्षेत्र पंचायतों की बैठकों में प्रत्येक विभागीय अधिकारी अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी उन्हें उपलब्ध कराये ताकि पात्र व्यक्ति उसका लाभ ले सकें। बैठक में विभागवार योजनाओं की समीक्षा के दौरान सचिव ने जनपद में संचालित रीप परियोजना के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में निर्देश दिये कि इस योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक महिला समूहों को जोड़ते हुए ग्रामीण आजीविका को बढ़ाये जाने हेतु कार्य किया जाये, अधिक से अधिक लोगों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं मांग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जायें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के उपरान्त अधिक से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हों, इस हेतु प्लेसमेंट की व्यवस्था भी की जाये। बैठक में पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान पण्डित दीन दयाल होम स्टे योजना, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली स्वरोजगार योजना आदि की समीक्षा के दौरान सचिव ने निर्देश दिये कि जनपद में जिन व्यक्तियों द्वारा होम स्टे योजना के अन्तर्गत लाभ लिया गया है, यह सुनिश्चित किया जाये कि उन सभी होम स्टे का संचालन हो रहा हो और स्वयं होम स्टे स्वामी उसमें रह रहा हो, इस सम्बन्ध में उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को सभी पंजीकृत होम स्टे का सत्यापन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विकास अधिकारी को निर्देश दिये पर्यटन विभाग की योजनाओं का अधिकारिक लाभ स्थानीय लोगों को मिले, यह सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान जिला पर्यटन विकास अधिकारी ने मानस मन्दिर माला मिशन अन्तर्गत कैंचीधाम एवं मां नैयना देवी मन्दिर में कराये जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि शीघ्र ही सभी कार्य पूर्ण कर लिये जायेंगे। बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सचिव ने कहा कि भविष्य में जो भी प्राथमिक विद्यालय भवनों का निर्माण अथवा खोले जायेंगे, उक्त परिसर में आंगनबाड़ी केन्द्र का भी निर्माण होगा। भविष्य में अलग से कोई भी आंगनबाड़ी केन्द्र नहीं खोला जायेगा।

उन्होंने शिक्षा एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिये कि आंगनबाड़ियों में पढ़ने वाले बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में तथा प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का जूनियर हाई स्कूल में समय समय पर भ्रमण कराया जाये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में क्रीड़ा स्थल का भी विकास किया जाना है, इस हेतु प्रस्ताव तैयार किये जाये। ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सचिव ने वर्तमान में जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में बनाये गये 73 सामुदायिक शौचालयों के संचालन के सम्बन्ध में निर्देश दिये कि इन शौचालयों का सदुपयोग तभी है जब इनका संचालन हो रहा हो, इनमें नियमित पानी और सफाई की व्यवस्था हो, इस सम्बन्ध में सीडीओ को स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिये। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जनपद में 8 विद्यालयों में बनाये गये स्टेम लैब के सम्बन्ध में मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि इन आठों विद्यालयों में जिले के अन्य विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाये, इस हेतु अभी से वार्षिक कैलेण्डर तैयार करते हुए जारी किया जाये। बैठक में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जिले में किये जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों को समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता के साथ कराते हुए समय से उपभोग प्रमाणपत्र उपलब्ध कराये जाये ताकि शासन व भारत सरकार स्तर से प्राप्त होने वाली अतिरिक्त धनराशि समय से मिल सके। उन्होंने कृषि, उद्यान सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देश दिये कि ग्रामीण स्तर पर किसानों की आय दो गुना करने हेतु तत्परता से कार्य किया जाये। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपनी-अपनी वार्षिक कार्य योजना अभी से तैयार कर लें और उसके अनुरूप ही कार्य करें। इस दौरान यूयूएसडीए द्वारा जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान तेजी से कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने नैनीताल नगर हेतु सीवरेज ट्रीटमेंट हेतु पटवाडांगर में चयनित भूमि के प्रस्ताव पर भी शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिये कि जनपद में आवागम सुरक्षित बनाये रखने, आम नागरिकों की सुरक्षा हेतु सड़कों को दुरूस्त रखा जाये, ब्लैक स्पोट्स को ठीक किया जाये। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद के विकास हेतु जो भी बड़ी योजनाओं की आवश्यकता है, उनके प्रस्ताव तैयार कर, शासन में प्रेषित करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने भीमताल में सिडकुल पार्क में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अवगत कराया कि माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके संज्ञान में रानीबाग स्थित वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर में कार्यरत कर्मचारी बहादुर साह के कार्यों की सराहना की गई है, इस सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी इसी प्रकार से काम करें तो जनता में एक बेहतर सन्देश जाता है, इस सम्बन्ध में उन्होंने कर्मचारी बहादुर साह को सम्मानित करने की भी बात कही। इससे पूर्व बैठक में आगमन पर मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय ने जनपद प्रभारी सचिव का स्वागत करते हुए उन्हें जनपद में संचालित विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बैठक में सचिव द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। बैठक में उप जिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, जिला पंचायतराज अधिकारी सुरेश बैनी, एपीडी चन्द्रा फर्त्याल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ.मुकेश नेगी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राफिक एरा के विद्यार्थियों को दिया गया इको ब्रिक्स निर्माण का प्रशिक्षण

भीमताल (उद संवाददाता)। जिला गंगा समिति के तत्वाधान में शिप्रा कल्याण समिति भवाली द्वारा ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों को इको ब्रिक्स निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला गंगा समिति नैनीताल के निर्देशन, सदस्य सचिव व प्रभागीय वनाधिकारी तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी के नेतृत्व तथा जिला परियोजना अधिकारी पीयूष तिवारी के समन्वय से संपन्न हुआ।प्रशिक्षण के दौरान शिप्रा कल्याण समिति के अध्यक्ष जगदीश नेगी ने विद्यार्थियों को बताया कि इको ब्रिक्स के माध्यम से घरों में उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक कचरे का प्रभावी निस्तारण किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह प्रक्रिया गायों की सुरक्षा के साथ-साथ गंगा और अन्य नदियों के संरक्षण की दिशा में एक

कारगर उपाय है। विशेषज्ञों ने जानकारी दी कि इको ब्रिक्स पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है।कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि यदि स्कूली बच्चों को प्रारंभ से ही इस विषय में प्रेरित किया जाए, तो प्लास्टिक प्रदूषण पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। इको ब्रिक्स बनाना एक सरल प्रक्रिया है, जिसमें घरों की प्लास्टिक को खाली बोतलों में भरकर ठोस आकार दिया जाता है। जिला गंगा समिति एवं शिप्रा कल्याण समिति ने भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया है, जिससे समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो सके।

योगी ना बन सको तो सहयोगी अवश्य बनो: हरि चैतन्यपुरी

गढीनेगी (उद संवाददाता)। श्री हरिकृपा पीठाधीश्वर व संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने यहाँ श्री हरि कृपा धाम आश्रम में उपस्थित भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि योगी ना बन सको तो कोई बात नहीं एक दूसरे के सहयोगी अवश्य बनो। जहां, जिसे, जिसकी, जैसी आवश्यकता है वहाँ सहयोग अवश्य करें। मानव जीवन की ही महिमा है कि वह अपने लिए, समाज के लिए व परमात्मा के लिए उपयोगी हो सकता है। त्यागपूर्वक शांत होकर अपने लिए, उदारता पूर्वक सेवा करके समाज के लिए व आत्मीयता पूर्वक प्रेम करके परमात्मा के लिए उपयोगी होता है ।शांत उदार व प्रेमी भक्त हो जाना यह मानव जीवन की महिमा है। जो शांत होगा वह उदार तथा जो उदार होगा वह भक्त होगा।ऐसा

, लोलुपता आसक्ति आदि का करना है ।महाराज श्री ने कहा कि सत्य बोलो और धर्म का आचरण करो, जीवन में जीवन ही पूर्ण जीवन है व ब्रह्मा का साक्षात्कार भी यही है ।त्याग संसार का नहीं अपितु ममता , अहंकार ,अधिकार सफलता मिलेगी।उन्होंने कहा कि आत्मा व परमात्मा एक ही है मगर फिर भी अलग हैं। परमात्मा सृष्टि के कण कण में विद्यमान् है और आत्मा उसके एक अंश में, परमात्मा का आत्मा के बिना अस्तित्व है मगर आत्मा का परमात्मा के बिना कोई अस्तित्व नहीं है। परमात्मा का इस सृष्टि में सबसे एक ही नाता है भक्ति का। उसके यहाँ ऊँच-नीच, जाति-पाति आदि का कोई भेद नहीं है। परमात्मा के लिए तो एक मात्र प्रेमपूर्ण भक्ति ही सर्वस्व है। आश्रम में निरंतर श्री महाराज जी के दर्शनार्थ व दिव्य प्रवचन सुनने के लिए भक्तों का ताँता लगा हुआ है। अपने धाराप्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया।सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा व" श्रीगुरु महाराज", "कामां के कन्हैया" व "लाठी वाले भैया "की जय जयकार से गूंज उठा ।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में सफारी के दौरान मोबाइल फोन पर लगा पूर्ण प्रतिबंध

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पार्क प्रशासन ने लागू की नई व्यवस्था

रामनगर (उद संवाददाता)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक वातावरण को मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त रखने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया गया है। अब कॉर्बेट के सभी पर्यटन जोनों में सफारी के दौरान पर्यटकों के लिए मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के अनुपालन में की गई है, जिसे पार्क प्रशासन द्वारा प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जंगल सफारी के दौरान स्मार्टफोन का किसी भी प्रकार से उपयोग नहीं किया जाएगा, ताकि शोर और डिजिटल हस्तक्षेप को कम कर प्राकृतिक वातावरण को स्वाभाविक बनाए रखा जा सके। नियमों के तहत पर्यटकों को मोबाइल फोन गेट पर ही जमा कराना अनिवार्य होगा और उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।हालांकि, पर्यटकों को पेशेवर कैमरे जैसे डीएसएलआर या अन्य

स्टिल कैमरे ले जाने की अनुमति होगी, ताकि वे वन्यजीवों और प्राकृतिक दृश्यों की फोटोग्राफी कर सकें, लेकिन मोबाइल फोन से फोटो या वीडियो बनाने की अनुमति नहीं मिलेगी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी ने जानकारी देते हुए बताया कि डे-सफारी पर जाने वाले सभी पर्यटकों को प्रवेश द्वार पर ही अपने मोबाइल फोन जमा कराने होंगे। वहीं, नाइट स्टे पर जाने वाले पर्यटकों के मोबाइल फोन जिप्सी के एक विशेष बॉक्स में जमा किए जाएंगे, जो जिप्सी चालक और नेचर गाइड की निगरानी में रहेगा।नाइट स्टे वाले पर्यटकों को विश्राम गृह पहुंचने के बाद उनके मोबाइल फोन लौटा दिए जाएंगे, लेकिन फोन का उपयोग केवल आवास के अंदर ही किया जा सकेगा। यदि कोई पर्यटक आवास के बाहर मोबाइल फोन का उपयोग करता पाया गया, तो उसका फोन सीज कर दिया जाएगा। साथ ही संबंधित नेचर गाइड और जिप्सी चालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के तहत गाइड और जिप्सी चालकों को भी सफारी के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति नहीं होगी। कॉर्बेट प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे वन्यजीव संरक्षण के इस प्रयास को सफल बनाने के लिए नियमों का पालन करें।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर राहुल गांधी का पुतला फूंका

किच्छा(उद संवाददाता)।कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा पर सिख समाज को अपमानित कर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप लगाते हुए युवा मोर्चा के बैनर तले भाजपाइयों ने नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया और दीनदयाल चौक पर राहुल गांधी का पुतला दहन कर आक्रोश जताया। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला मंत्री विशाल चौहान के नेतृत्व में तमाम भाजपाई नगर के दीनदयाल चौक पर एकत्रित हुए। चौक पर प्रदर्शन के दौरान भाजपाइयों ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा संसद के द्वार पर सार्वजनिक तौर

पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को सरदार गद्दार मित्र संबोधित करते हुए सिख समाज को अपमानित करने का काम किया गया है, जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि समय-समय पर कांग्रेसियों द्वारा सिख समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर सिख समाज की मर्यादा एवं उनके सम्मान के साथ खिलवाड़ किया गया। इस दौरान भाजपाइयों ने राहुल गांधी एवं कांग्रेस के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी के प्रतीकात्मक पुतले को आग के हवाले किया। मौके पर युवा नेता सन्नी छाबड़ा, केशव सिंह, राहुल कोहली, नितिन ठाकुर, गोल्डी गोराया , मुकेश राठौर, विवेक चौहान, पवन सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तरायणी कौथिक महोत्सव में बिखरी लोक संस्कृति की छटा

देहरादून में सेवा संकल्प फाउंडेशन द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिक महोत्सव 2026 का हुआ भव्य आगाज

देहरादून। सेवा संकल्प फाउंडेशन द्वारा परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित उत्तरायणी कौथिक महोत्सव 2026 "संस्कृति से समृद्धि की ओर" का शुभारंभ गुरुवार को भव्य और पारंपरिक तरीके से किया गया। परेड ग्राउंड, देहरादून से निकली दिव्य एवं भव्य शोभायात्रा के साथ चार दिवसीय उत्तरायणी कौथिक महोत्सव 2026 का उद्घाटन सेवा संकल्प फाउंडेशन की संयोजक एवं फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी द्वारा किया गया। महोत्सव का शुभारंभ वैदिक स्वस्तिवाचन मंत्रों के उच्चारण और शंखनाद के साथ हुआ, जिससे पूरे परिसर में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का संचार हुआ। पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपराओं और विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने का उद्देश्य रखा गया है। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर आयोजित भव्य कलश यात्रा में उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की अद्भुत झलक देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत शोभा यात्रा के साथ हुई, जिसका नेतृत्व सेवा संकल्प फाउंडेशन की संयोजक एवं फाउंडर ट्रस्टी श्रीमती गीता धामी ने कलश थामकर किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गीता धामी ने कहा कि उत्तरायणी कौथिक महोत्सव प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि "संस्कृति से समृद्धि की ओर" की थीम, समाज को अपनी परंपराओं के संरक्षण के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। गीता धामी ने कहा कि महोत्सव में लोक कला, पारंपरिक व्यंजन, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विभिन्न सामाजिक गतिविधियां हो रही हैं। कार्यक्रम में प्रदेशभर से कलाकार, शिल्पकार और सांस्कृतिक दल भाग ले रहे हैं। श्रीमती गीता धामी ने कहा कि हमारा विजन, हमारी संस्कृति को नई पहचान दिलाना है। हमारा प्रयास है कि हम उत्तराखंड की लोक संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाएं। इस शोभायात्रा में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग सहभागी बने, जिससे देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक एकता और लोकआस्था का अद्भुत दृश्य साकार हुआ। यह भव्य यात्रा लैंसडाउन चौक से प्रारंभ होकर दर्शन लाल चौक, घंटाघर, गांधी पार्क और कनक चौक होते हुए पुनः परेड ग्राउंड पहुंची। शोभायात्रा में पूज्य देवी-देवताओं की डोलियों ने श्रद्धा का वातावरण बनाया, वहीं जौनसारी, गढ़वाली, कुमाऊंनी, गोर्खाली एवं पंजाबी लोक कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में मनोहारी प्रस्तुतियाँ देकर शोभायात्रा को जीवंत कर दिया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और लोकनृत्यों के साथ चलती यह यात्रा उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं का सजीव परिचय बनी। शोभायात्रा ने संस्कृति संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, हमारी मातृभाषाओं के संवर्धन तथा पारंपरिक वस्त्रों एवं लोकपरंपराओं के संरक्षण का सार्थक संदेश दिया। इन झांकियों के माध्यम से लोकजीवन से जुड़े सकारात्मक मूल्यों और देवभूमि की पहचान को सहेजने का संकल्प भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। उत्तरायणी कौथिक महोत्सव 2026 के अंतर्गत भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा के उपरांत वैदिक परंपराओं के अनुरूप स्वस्तिवाचन एवं गूंजते शंखनाद के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मांगल एवं सगुन आंखर गीतों की पावन प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज, प्रदेश और समस्त जनमानस के लिए सुख, शांति, उन्नति एवं समृद्धि की कामना की गई। इसके पश्चात सामूहिक रूप से प्रस्तुत झोड़ा चांचरी लोकनृत्य ने उत्तराखंड की जीवंत लोकसंस्कृति को मंच पर साकार किया, वहीं लोकगायन की मधुर स्वर लहरियों ने परंपरा और भावनाओं को एक सूत्र में पिरो दिया। सेवा संकल्प फाउंडेशन से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुतियों के साथ-साथ आत्मरक्षा हेतु वुशु की प्रभावशाली सेल्फ डिफेंस प्रदर्शनी ने महोत्सव को संदेशात्मक और प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया। महोत्सव का यह सत्र लोकसंस्कृति के संरक्षण, सामाजिक चेतना के प्रसार और सामूहिक सहभागिता की भावना को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करता है। उत्तरायणी कौथिक महोत्सव 2026 के प्रथम दिन के प्रारंभिक कार्यक्रमों के पश्चात महोत्सव का अगला चरण भी अधिक उत्साह और भव्यता के साथ आगे बढ़ा। इस क्रम में राज्यपाल द्वारा कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत माननीय राज्यपाल जी ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।इस दौरान उन्होंने हस्तशिल्पकारों, स्थानीय उत्पादों से जुड़े काश्तकारों, एवं स्वरोजगार से जुड़े प्रतिभागियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर माननीय महापौर श्री सौरभ थपलियाल जी, श्रीमती बीना भट्ट जी, श्रीमती गीता खन्ना जी, लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह जी, डॉ. आरके जैन जी, श्री पुनीत मित्तल जी, श्री गीता रावत जी , श्रीमती कुसुम कंडवाल जी, श्रीमती विनोद उनियाल जी, श्री विश्वास डाबर जी, श्री श्याम अग्रवाल जी, श्री शादाब शम्स जी, डॉ. देवेंद्र भसीन जी, श्रीमती सुरेखा डंगवाल जी, एडवोकेट ललित जोशी जी, श्री मुकेश कुमार जी, श्री बलवीर उनियाल जी, श्री गीताराम गौड़ जी समेत अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

उत्तरायणी कौथिक गौरवशाली सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक : राज्यपाल

हस्तशिल्पकारों, स्थानीय उत्पादों से जुड़े काश्तकारों, एवं स्वरोजगार से जुड़े प्रतिभागियों को किया सम्मानित

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सेवा संकल्प फाउंडेशन द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिक महोत्सव-2026 के शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रदेश में विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 समाजसेवकों को सम्मानित किया। माननीय राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों के काश्तकारों, शिल्पकारों और पारंपरिक शिल्पियों को एक सशक्त एवं व्यापक मंच प्राप्त हो रहा है, जिससे न केवल उनकी कला और उत्पादों को पहचान मिलती है,बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलती है। राज्यपाल जी द्वारा नैनीताल जनपद के श्री प्रेम प्रकाश बेलवाल जी को सामाजिक सेवा एवं जन-स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, अल्मोड़ा जनपद की सुश्री कामिनी कश्यप जी को दिव्यांग शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में, अल्मोड़ा जनपद की सुश्री मनोरमा जोशी जी को कृषि नवाचार एवं कीवी उत्पादन के क्षेत्र में, बागेश्वर जनपद के श्री भवान सिंह कोरंगा जी को पारम्परिक ताम्र शिल्पकला संरक्षण के क्षेत्र में, उत्तरकाशी जनपद की श्रीमती कृष्णा जी को पारम्परिक हथकरघा एवं ऊनी वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में, पौड़ी जनपद के श्री श्याम चन्द्र टम्टा जी को बागवानी, जल-संचय एवं टपक सिंचाई के क्षेत्र में, बागेश्वर जनपद की सुश्री प्रेमा रावत जी को खेल (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट) के क्षेत्र में, देहरादून जनपद के श्री कल सिंह राणा जी को सेब उत्पादन एवं कृषि नवाचार के क्षेत्र में, टिहरी जनपद के श्री कुन्दन सिंह पंवार जी को कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में तथा देहरादून जनपद के ब्रिगेडियर दिनेश कुमार बड़ोला जी को रक्षा एवं सैन्य सेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। उन्होंने आयोजन की भव्यता, अनुशासन और उद्देश्यपूर्ण स्वरूप की सराहना करते हुए सेवा संकल्प फाउंडेशन से जुड़े सभी सदस्यों को इस सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी। उनके प्रेरक उद्बोधन से महोत्सव को नई ऊर्जा, मार्गदर्शन और गरिमा प्राप्त हुई, जिससे आयोजन का यह चरण भी अत्यंत प्रभावशाली एवं स्मरणीय बन गया। उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उत्तरायणी केवल एक लोकपर्व नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक आत्मा, सामूहिक चेतना और प्रकृति के साथ संतुलनपूर्ण जीवन-दृष्टि का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तरायणी सूर्य के उत्तरायण होने के साथ जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, ऊर्जा और प्रकाश का संदेश देती है। यह पर्व समाज को निराशा से संकल्प की ओर तथा जड़ता से प्रगति की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने उत्तरायणी को ऋतु-चक्र आधारित वैज्ञानिक चेतना और प्रकृति के साथ सामंजस्य का सजीव उदाहरण बताया। उत्तराखण्ड की कौथिक यानी मेलों की परम्परा को लोकजीवन की धड़कन बताते हुए उन्होंने कहा कि ये आयोजन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक निरंतरता और लोकस्मृति के जीवंत केंद्र रहे हैं। लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा और हस्तशिल्प उत्तराखण्ड की जीवंत, जाग्रत और गौरवशाली सांस्कृतिक परम्परा के प्रतीक हैं। राज्यपाल ने कहा कि उत्तरायणी कौथिक महोत्सव लोककला, लोकसंगीत, लोकनृत्य, हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को नई पहचान देता है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को व्यवहारिक रूप से साकार करता है। उन्होंने युवाओं से नशे और व्यसनों से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा, खेल, कौशल और सेवा के माध्यम से ही सशक्त उत्तराखण्ड और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। राज्यपाल ने सेवा संकल्प फाउंडेशन के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्कृति तभी जीवित रहती है, जब वह सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी हो। इस अवसर पर ट्रस्टी संस्थापक सेवा संकल्प फाउंडेशन गीता धामी, प्रथम महिला गुरमीत कौर, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, आईएमए कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह सहित विभिन्न दायित्वधारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रुद्रपुर में 14 फरवरी से आयोजित होगा 'विकास उत्सव'

सीएम पुष्कर सिंह धामी देंगे करोड़ों की सौगात, 23 फरवरी तक गांधी पार्क में आयोजित होगा सरस मेला

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। महापौर विकास शर्मा के सफलतम एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शहर एक ऐसे ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है, जो विकास और संस्कृति का अनूठा संगम होगा। नगर निगम के तत्वाधान में आगामी 14 फरवरी से 23 फरवरी तक गांधी पार्क में 10 दिवसीय भव्य 'सरस मेले' का आयोजन किया जाएगा। इस गौरवशाली उत्सव का विधिवत शुभारंभ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा रुद्रपुर के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा, क्योंकि इस अवसर पर वे शहरवासियों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन और मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए महापौर विकास शर्मा की अध्यक्षता में नगर निगम प्रशासन, भाजपा कार्यकर्ताओं और शहर के विभिन्न

सामाजिक व धार्मिक संगठनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें इस आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई।बैठक को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि नगर निगम बोर्ड का यह एक साल का कार्यकाल जन-सेवा और पारदर्शिता का प्रतीक रहा है, जिसे उत्सव के रूप में मनाने के लिए सरस मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि 14 फरवरी को मुख्यमंत्री का आगमन रुद्रपुर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा और उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। यह मेला न केवल मनोरंजन का साधन होगा, बल्कि विकास की नई गाथा भी लिखेगा। महापौर ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सरस मेले में विभिन्न सरकारी और निजी विभागों के लगभग 150 स्टॉल लगाए जाएंगे, जो शासन की जनहितकारी योजनाओं और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इस मेले को उत्तराखंड और भारत की विविध संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रतिदिन अलग-अलग समाजों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसमें पर्वतीय समाज, पूर्वांचल समाज, बंगाली समाज और पंजाबी समाज की समृद्ध संस्कृति, लोकगीत और परंपराओं की अनूठी झलक देखने को मिलेगी।धार्मिक दृष्टि से भी यह मेला अत्यंत महत्वपूर्ण और यादगार होने वाला है क्योंकि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है। जिसके चलते विशाल शिव जागरण का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इस जागरण में देश के विख्यात भजन सम्राट अपनी प्रस्तुतियां देंगे और मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके साथ ही मेले के दौरान रामलीला मंचन, हास्य कवि सम्मेलन और स्कूली बच्चों के द्वारा तैयार किए गए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जो हर आयु वर्ग के लोगों को जोड़ेंगे। इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए बैठक में मौजूद अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में सभी ने एक स्वर में रुद्रपुर के इस गौरवशाली उत्सव को सफल बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर आईएएस अधिकारी हिमांशु जोशी, पीडी डीआरडीए आसित आनंद, नगर आयुक्त श्रीमती शिप्रा जोशी पांडे और सहायक नगर आयुक्त श्रीमती राजू नबियाल के अलावा सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से अमरनाथ जी सेवा मंडल के संस्थापक सुनील ठुकराल, अध्यक्ष अजय चड्ढा, अमित अरोड़ा 'बॉबी', जगदीश बटला, बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, सदस्य अमित वैध, अशोक विश्वास ,देवभूमि व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह, संघ जिला व्यवस्था प्रमुख राजकुमार खनिजों, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र अरोरा सहित पूर्वांचल महासभा से जेबी सिंह, दुर्गेश मौर्य और हिमांशु शुक्ला ने भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इसके अतिरिक्त भाजपा मंडलअध्यक्ष सुनील ठुकराल, महामंत्री पारस चुघ, उमेद सिंह और अंकित ढींगरा सहित नगर निगम की टीम और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भवाली में बच्ची से रेप मामले में सांसद भट्ट ने अपनाया सख्त रुख

भवाली। क्षेत्र में कथित डेमोग्राफी परिवर्तन और एक पीड़ित परिवार की बच्ची के साथ हुई गंभीर घटना को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट ने कड़ा और स्पष्ट रुख अपनाया है। सांसद भट्ट ने इस पूरे प्रकरण को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल से फोन पर विस्तृत बातचीत की और मामले में सख्त व त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सांसद अजय भट्ट ने जिलाधिकारी को रेहड़ और टमट्यूड़ा क्षेत्र में व्यापक जांच कराने को कहा। उन्होंने इस बात पर गंभीर सवाल उठाया कि बाहरी लोग किस तरह अवैध रूप से सरकारी भूमि पर आवास निर्माण कर रहे हैं, जबकि स्थानीय निवासियों के लिए भवन निर्माण से पूर्व नक्शा पास कराना अनिवार्य है। सांसद ने प्रशासन से इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।पीड़ित परिवार की बच्ची के साथ हुई घटना पर सांसद अजय भट्ट ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे हर परिस्थिति में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। सांसद ने भरोसा दिलाया कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

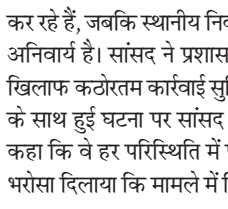

विरोध के बीच चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट के नेतृत्व में गुरुवार को सदर बाजार, मीरा मार्ग, मंगल पड़ाव बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान व्यापारियों और ठेला वेंडर संगठनों ने हंगामा करते हुए कार्रवाई का जमकर विरोध भी किया। ठेला वेंडर जोन के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद अग्निहोत्री तथा रूपेंद्र नगर के प्रतिनिधियों ने नगर निगम के उस निर्देश का विरोध किया, जिसमें ठेलों को स्थिर न रखने के बजाय चलायमान रखने की बात कही गई है। उनका कहना है कि इस नीति से पूरा बाजार अतिक्रमणग्रस्त हो गया है और आम जनता को आवागमन में भारी दिक्कत हो रही है। सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट ने

स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर बाजार क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण नहीं बर्दाश्त किया जाएगा और उच्च न्यायालय के आदेशों का शत प्रतिशत पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चेतावनी दी जा रही है, लेकिन आगे ऐसे मामलों में वीडियोग्राफी करके कड़ी कार्रवाई की जाएगी। व्यापारियों और ठेला वेंडर संगठनों ने नगर निगम से ठेलों के लिए उचित स्थान पर वेंडिंग जोन बनाने और स्थायी व्यवस्था की मांग की है ताकि अतिक्रमण और भीड़ दोनों पर नियंत्रण रहे साथ ही व्यापारिक गतिविधियां भी बाधित न हों। निगम प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में नियम तोड़ने वालों के खिलाफ न केवल जुर्माना, बल्कि जब्ती और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान लगभग एक गाड़ी भर सामान जब्त किया गया तथा तीन चालान जारी करके 1700 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने की छापेमारी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा द्वारा जनपद में अनैतिक गतिविधियों और होटलों में बरती जा रही अनियमितताओं के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने बड़ी कार्यवाही की है। लगातार मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए एसएसपी के कड़े निर्देशन में एएचटीयू टीम ने ट्रांजिट कैंप और रुद्रपुर क्षेत्र के विभिन्न होटलों, ढाबों और कैफे सेंटरों पर आकस्मिक छापेमारी की।चेकिंग के दौरान कई प्रतिष्ठानों में नियमों की भारी अनदेखी और अनियमितताएं पाई गईं। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए कुल 04 होटल

मालिकों और 01 कैफे सेंटर मालिक के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के अंतर्गत सख्त कार्यवाही की है। इस दौरान मौके पर 15,000 रुपये का नकद जुर्माना वसूला गया। वहीं गंभीर अनियमितताओं के चलते 10,000 रुपये का चालान माननीय न्यायालय को प्रेषित किया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अनैतिक गतिविधियों और नियमों के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूजीसी नियम 2026 के विरोध में संगठनों ने निकाली रैली

काशीपुर। यूजीसी द्वारा लागू किए गए नियम 2026 के विरोध में सामाजिक और शैक्षिक संगठनों का गुस्सा सड़कों पर साफ नजर आया। यूजीसी बिल हटाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर जोरदार रैली निकालते हुए महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया। रैली का नेतृत्व एडवोकेट हरि सिंह और संजय चतुर्वेदी ने किया।ज्ञापन में समिति ने आरोप लगाया कि यूजीसी का यह फैसला देश की शैक्षणिक व्यवस्था में गंभीर असंतुलन पैदा करने वाला है। वक्ताओं ने कहा कि यह निर्णय योग्यता, परिश्रम और समान अवसर की संवैधानिक भावना के विपरीत है, जिससे

शिक्षाविदों, छात्रों और अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त है। समिति के अनुसार यह मुद्दा राष्ट्रीय मीडिया और सामाजिक मंचों पर भी प्रमुखता से उठ रहा है।संगठन के पदाधिकारियों ने चेताया कि इस निर्णय से समाज में असंतोष, असुरक्षा और असमानता की भावना बढ़ रही है, जो राष्ट्रहित के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। समिति ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध किसी वर्ग विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि सबको समान और न्यायपूर्ण अवसर दिलाने के मुख्य उद्देश्य से है। इस दौरान बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अस्पताल में महिला स्टाफ से छेड़छाड़, डॉक्टर को जान से मारने की धमकी

रुद्रपुर। मेडिसिटी अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के साथ छेड़छाड़, अभद्रता और डॉक्टर को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। अस्पताल के डॉक्टर संजय कुमार ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि अस्पताल में मास्टर माहिर आसीम नाम का मरीज भर्ती है। मरीज के पिता आजम खान निवासी किच्छा ने अस्पताल परिसर में ही महिला नर्सिंग स्टाफ के साथ छेड़छाड़ और अभद्रता की।जब ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर संजय कुमार ने बीच-बचाव कर समझाने का प्रयास किया, तो आरोपी आजम खान और उसके परिजनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। डॉक्टर का आरोप है कि आजम खान के साथ आए मोहसिन खान और अन्य अज्ञात लोगों ने अन्य मरीजों व तीमारदारों की मौजूदगी में उन्हें भद्दी गालियां दीं और अस्पताल से बाहर निकलने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।डॉक्टर संजय ने पुलिस को बताया कि आरोपियों के व्यवहार और धमकियों से वह और उनका स्टाफ डरा हुआ है तथा उन्हें शारीरिक क्षति की पूरी आशंका है। उन्होंने साफ किया कि यदि उन पर या स्टाफ पर कोई हमला या अनहोनी होती है, तो इसके जिम्मेदार ये नामजद लोग होंगे। पुलिस ने डॉक्टर की तहरीर पर मामला पंजीकृत कर लिया है।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय में चलाया स्वच्छता अभियान

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर की शुरुआत योगाभ्यास से हुई। इसके पश्चात स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय परिसर एवं पार्क में स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित बौद्धिक सत्र में प्रोफेसर सर्वजीत सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मंजीत सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए श्रमदान की सराहना करते हुए उन्हें महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए

प्रेरित किया। एनएसएस के प्रभारी डॉ. चंद्रपाल ने 'ईट इंडिया यूथ हैकथन उत्तराखंड-2026' के बारे में जानकारी देते हुए पंजीकरण प्रक्रिया से स्वयंसेवियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की आयु 18 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उनके पास संस्था का वैध पहचान पत्र होना अनिवार्य है। विजेता टीम को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी संबंधित लिंक पर जाकर विवरण प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल ने राष्ट्रीय यूथ पार्लियामेंट के संबंध में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. वसुंधरा उपाध्याय, जनार्दन कांडपाल, संदीप, सत्येंद्र शाह, कैलाश चौधरी, अनमोल सिंह, तरनजीत सिंह, रोहित कुमार, गोविंद, सरिता बिष्ट सहित छात्र संघ अध्यक्ष रजत सिंह बिष्ट एवं छात्र नेता प्रेम विश्वास समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

नीतिगत बदलाव

बजट सत्र के सातवें दिन संसद में मौजूदा सत्र में पिछले कई दिनों से लगातार हंगामे की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही बाधित होती रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन शोर-शराबे और हंगामे की वजह से सदन को स्थगित कर दिया गया था।विपक्षी दलों की ओर से उठाए गए सवालों और उतार-चढ़ाव के बीच आखिर गुरुवार को प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित किया। जबकि विपक्ष के नेता को न बोलने देने का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दलों ने सदन का बहिष्कार किया। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा।जाहिर है, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जहां समग्र चर्चा होनी चाहिए थी, वहां सदन हंगामे की वजह से बाधित हुआ। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने सरकार के फैसलों और नीतियों को स्पष्ट करते हुए राज्यसभा में अपनी राय रखी।पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में तेजी से नीतिगत स्तर पर भी बदलाव होते देखे जा रहे हैं और नई व्यवस्था की जमीन बनती दिख रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में स्थितियां संभाली नहीं जा पा रही हैं, तो ऐसे में स्पष्ट दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब बदल रही है और अगर इसे तटस्थ भाव से देखा जाए, तो साफ लग रहा है कि झुकाव भारत की ओर है। दरअसल, हाल के वर्षों में विकसित देशों के कूटनीतिक टकरावों और उससे उपजे हालात के बीच वैश्विक दक्षिण के रूप में देखे जाने वाले देशों की समस्याओं पर आवाज उठने की प्रक्रिया जिस तरह धीमी पड़ रही थी, उसमें भारत को एक उम्मीद की नजर देखा जा रहा था। इसी को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में वैश्विक दक्षिण को लेकर होने वाली चर्चा के सूत्रधार के साथ-साथ भारत को वैश्विक दक्षिण की बुलंद आवाज के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपनी पहल से समझौता करता है, तो यह अर्थजगत के लिए एक बड़ा संदेश है।

भारत का पहला परागणकर्ता उद्यान तितलियों और मधुमक्खियों का अनूठा घर

भारत का पहला परागण पार्क, जिसका उद्घाटन 29 दिसंबर, 2020 को हुआ, उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी में सुशीला तिवारी स्मारक अस्पताल के निकट फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के भीतर स्थित है। उत्तराखंड वन विभाग के अनुसंधान विभाग द्वारा 4 एकड़ में विकसित इस पार्क का उद्देश्य तितलियों, मधुमक्खियों, कीट-पतंगो और पक्षियों सहित 40 से अधिक परागण प्रजातियों का संरक्षण करना और साथ ही जनता को उनके पारिस्थितिक महत्व के बारे में शिक्षित करना और परागण के विभिन्न पहलुओं पर आगे अनुसंधान को बढ़ावा देना है, जिसमें पर्यावास के लिए खतरा, प्रदूषण का प्रभाव, कीटनाशकों का उपयोग और विभिन्न परागणकारी जीवों और पौधों की प्रजातियों के बीच संबंध शामिल हैं। परागण पार्क का उद्घाटन तितली विज्ञानी पीटर स्मेतासेक ने किया। वे भीमताल स्थित तितली अनुसंधान केंद्र के संस्थापक हैं। इस अवसर पर बोलते हुए पीटर स्मेतासेक ने कहा कि यह पहल भारत में अपनी तरह की अनूठी है और इससे आम

जनता में परागण और परागण करने वाले जीवों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इन प्रजातियों के बिना पृथ्वी पर जीवन का अंत हो जाएगा। इस पॉलीनेटर पार्क में पौधों की विविध प्रजातियाँ हैं जो परागण करने वाले जीवों को आकर्षित करती हैं, जिससे उनके लिए भोजन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होती है और उनके जीवन चक्र के लिए आश्रय मिलता है। इस पार्क में परागण करने वाले जीवों के लिए आवास मौजूद हैं, जैसे कि समूह में लगाए गए अमृत और परागण उत्पन्न करने वाले पौधे (गेंदा, गुलाब, हिबिस्कस आदि)। इनके अतिरिक्त, पार्क में ऐसे पौधे भी हैं जो अंडों, लार्वा और प्यूपा को आश्रय प्रदान करते हैं (करी पत्ता, नींबू प्रजातियाँ, लैंटाना, अन्य फलों वाले वृक्ष आदि)। यह पार्क कॉमन जेजेबेल, कॉमन एमिग्रेंट, रेड पियरोट, कॉमन सेलर और प्लेन टाइगर जैसी प्रजातियों को आश्रय प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इनके अलावा परागण में मदद करने वाली तितलियों , पक्षियों और मक्खियों की अन्य प्रजातियां भी यहां मौजूद हैं। पृथ्वी पर मौजूद लगभग 75% से 95% फूल वाले पौधों को परागण की आवश्यकता होती है। परागणकर्ता 180,000 से अधिक विभिन्न पौधों की प्रजातियों को परागण सेवाएं प्रदान करते हैं। इनके बिना, पौधों की मौजूदा आबादी में गिरावट आएगी, भले ही मिट्टी, हवा, पोषक तत्व और अन्य जीवन-निर्वाह करने वाले तत्व उपलब्ध हों।

- ई. रूपेश कुमार अरोरा, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, रुद्रपुर

ग्रामीण समृद्धि की रीढ़ बनेगा पशुधन

ग्राम और ग्रामीण की समृद्धि की रीढ़ अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गई है, इस आम बजट में सरकार ने पशुधन से पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किर दिए हैं।इससे रोजगार बढने के साथ दैनिक और मासिक आमदनी में स्थिरता आएगी।खेती पर बढ़ते संकट कम होंगे।पशुधन, मुर्गी व मत्स्य पालन ग्रामीणों की आजीविका के भरोसे के सहारा बनेंगे।यह पशुधन स्वस्थ्य बना रहे, इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 20 हजार से अधिक पशु चिकित्सकों की उपलब्धता भी तय की गई है।ताकि गांव में ही त्वरित इलाज की सुविधा मिले। फिलहाल देश में पशु-चिकित्सकों की बहुत कमी है,इस कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है।इस कमी को दूर करने के लिए डेढ़ लाख पशु देखभाल प्रशिक्षित सेवकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।इस उपाय से दुधारू पशुओं की असमय मृत्यु में कमी आएगी।यदि पालतू पशुओं को आरक्षित वनों में चरने की छूट दे दी जाती है तो सड़क दुर्घटनाओं में पशुओं के मरने में तो कमी आएगी ही,पौष्टिक चारा मिलने से दूध भी पौष्टिक होगा। पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है।इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है।यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है।भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। 9 वर्ष पहले यह उपलब्ता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी। किंतु अब पशु संवर्धन के लिए किए गए प्रयास रंग दिखाने लगे हैं। बीते एक दशक में दूध के उत्पादन एवं उत्पादकता में आजादी के बाद से सर्वाधिक वृद्धि हुई है। दूध की उपलब्धता बढ़ी तो भारतीयों के खान-पान की आदत में दूध और उसके उत्पादों का सेवन व खपत भी बढ़ गई। अब प्रत्येक भारतीय दुनिया में औसत खपत में से 65 ग्राम अधिक दूध पीने लगा है। दूध की वैश्विक औसत खपत फिलहाल लगभ 328 ग्राम प्रति व्यक्ति है।मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।इसीलिए अमेरिका जैसे देश भारत के दूध बाजार को हड़पना चाहते हैं।भारत ने अमेरिका के लिए निर्मित वस्तुओं को बाजार नहीं खोले तो अनर्गल टैरिफ लगा दिए। पशुधन का संरक्षण इसलिए जरुरी है, क्योंकि ग्रामों में दूध नियमित नकद आय का पुख्ता आधार बना हुआ है।ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था में

इसकी बड़ी भागीदारी है। देश में 2019 में हुई 20 वीं पशुधन गणना के अनुसार करीब 14 करोड़ गाएं और 11 करोड़ भैंसें हैं।याक,ऊंट,भेड़ और बकरी भी दुधारू पशुओं में गिने जाते हैं।हालांकि अभी तक हमारा राष्ट्रीय आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो महज 20 फीसदी पशुओं का ही आनुवंशिक वर्गीकरण कर पाया है। इससे पता चलता है कि हम अपने पशुधन के प्रति कितने लापरवाह हैं। जबकि घरेलू नस्ल के दुधारू जानवरों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में पलने-बढ़ने व वंश वृद्धि में ज्यादा मजबूत और जुझारु पाया जाता है। ये पशु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बर्दाश्त करने में भी ज्यादा समर्थ होते हैं।भारत दूध उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश है।फिर भी दूध की आपूर्ति सिंथेटिक दूध बनाकर और पानी मिलाकर की जा रही है। यूरिया से भी दूध बनाया जा रहा है। दूध की बढ़ती मांग के कारण दूध का कारोबार गांव-गांव फैल गया है। जैविक तकनीक के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र में देश में पहली बार ई-3 (इकोनोमी एनवायरमेंट, एमप्लायमेंट) नीति कुछ समय पहले जारी की हुई है। इसके तहत दूध, खाद्यान्न, पर्यावरण सहित आम जनजीवन के सामने खड़ी होने वाली प्रत्येक चुनौती से निपटने की तैयारी है। इस क्षेत्र में फिलहाल जनता को सबसे बड़ा लाभ जैविक दूध के रूप में मिलने वाला है। पशुधन के बिना मिलने वाला यह जैविक दूध, दूध की कमी पूरा करने के साथ पौष्टिक भी होगा। यह नई औद्योगिक क्रांति, जैव तकनीक और बायो मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में होगी। आईटी क्रांति की तरह जैविक दूध और खाद्य सामग्री अभी भले ही लोगों को एक चौंकाने वाली बात लग रही हो, लेकिन भविष्य की जरूरतें इसी से पूरी होंगी। यह दूध केवल जैविक उत्पादों से तैयार होगा। इसमें रसायन का प्रयोग कतई नहीं होगा। अब तक बिना किसी सरकारी मदद के दूध का कारोबार फलता-फूलता रहा है। दूध का 70 फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस व्यापार में लगे ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे दुग्ध उत्पादन में दक्ष हैं, बल्कि दूध के सह-उत्पाद बनाने में भी कुशल हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित क्षेत्र, मसलन दूध डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध के उत्पादन से 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की भी अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण संस्थाएं केवल दो प्रतिशत हैं। बावजूद वे अशिक्षित किंतु पारंपरिक ज्ञान से कुशल ग्रामीण स्त्री-पुरुष ही हैं, जो दूध का देशी उपायों से प्रसंस्करण करके दही, घी, मक्खन, पनीर आदि बना रहे हैं। इस कारोबार की विलक्षण खूबी यह भी है कि इससे सात करोड़ से ज्यादा लोगों की आजीविका चलती है। एक अनुमान क अनुसार भविष्य में जलवायु परिवर्तन और उच्च तापमान के चलते, सालाना दूध उत्पादन में 32 लाख टन की कमी आ सकती है। इस दूध का मूल्य 5,000 करोड़ रुपए के बराबर होगा। इसलिए जरुरी है कि दुधारू पशुओं की सभी प्रजातियों की नस्लों का संरक्षण व संवध न किया जाए।इस दृष्टि से 20 हजार पशु चिकित्सक, डेढ़ लाख दक्ष पशु सेवा प्रदाताओं के प्रबंध के साथ, 84 पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोलने का प्रावधान इस बजट में किया गया है। भारत में गिर, राठी, साहिवाल, देवनी, थरपाकर, लाल सिंधी जैसे देशी नस्ल के दुधारू पशु उत्तर, मध्य, पूर्व और पश्चिम भारत में पाए जाते हैं। वाकई यदि इनके आनुवंशिक स्वरुप को उन्नत करने और इनके वंश की वृद्धि के कारगर प्रबंध किए जाते हैं तो देसी नस्ल की गायों से दुग्ध का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। दक्षिण भारत में पाई जाने वाली पंगुनूर, विचूर और कृष्णा घाटी की गायों के आनुवंशिक संरक्षण की आवश्यकता को भी पूरा किया जाना जरुरी है। क्योंकि इस नस्ल के पशुओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। हालांकि अब पहली बार आम बजट में पशुधन के संरक्षण को व्यापक महत्व दिया गया है,जो सराहनीय पहल है।यदि यह योजना प्रभावी ढंग से क्रियान्वित होती है तो आने वाले चंद सालों में पशुधन ग्रामीण भारत की रोजगार की पुख्ता गारंटी बन जायेगा।पशुधन जब तकदीर बनेगा तो ग्रामों से पलायन भी थम जाएगा।

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

60 सफाई कर्मचारियों को वितरित की स्वच्छता किट

पंतनगर (उद संवाददाता)। विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, शैक्षणिक डेयरी एवं कुक्कुट फार्म तथा पशुपालन प्रबंधन विभाग की प्रदर्शनी इकाई में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के लिए विशेष स्वच्छता किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा संचालित 'ऑल इंडिया नेटवर्क प्रोजेक्ट ऑन वन हेल्थ' के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय डा. ए.एच. अहमद ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यस्थल और समाज को सुरक्षित रखने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता सबसे सशक्त हथियार है। उन्होंने स्वच्छता को रोगों की रोकथाम का प्राथमिक आधार बताते हुए सफाई कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। परियोजना अन्वेषक डा. अजय कुमार उपाध्याय ने प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य पशु, मानव और पर्यावरण स्वास्थ्य को एक साथ जोड़कर जूनोटिक रोगों यानी पशुओं से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों की निगरानी और रोकथाम करना है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में देशभर में 16 इकाइयों के माध्यम से राष्ट्रीय निगरानी प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है, जिसमें पंतनगर विश्वविद्यालय एक प्रमुख सहयोगी इकाई के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। डा. उपाध्याय ने बताया कि इस पूरे प्रोजेक्ट का समन्वय केंद्र भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर है। कार्यक्रम के दौरान कुल 60 सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता किट प्रदान की गई। लाभार्थियों की ओर से प्रकाश ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह किट उनकी सुरक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम का सफल समन्वय सह-अन्वेषक डा. राजीव रंजन कुमार द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सह-अन्वेषक डा. मानसी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ढोल वादक कन्हैया को किया सम्मानित

बाजपुर (उद संवाददाता)। सेवा संकल्प धारिणी फाउंडेशन द्वारा आगामी 8 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा देहरादून में सम्मानित किये जाने से पूर्व ग्राम हजीरा भस्सूवाला निवासी ढोल वादक कन्हैया सिंह को एक समारोह में सम्मानित किया गया। समाजसेविका उमा जोशी ने बताया कि उत्तराखंड में प्राचीन संस्कृतिक विरासत, लोककला साहित्य, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान, बोली, भाषा और लोक परंपराओं का संरक्षण करते हुए उनको राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, और समाज में सहोज कर रखने वाले व्यक्तियों को उत्तरायण कौतिक महोत्सव में बुक्सा समुदाय में ढोल वादन की लोककला को जीवंत रखते हुए कार्य कर रहे ढोल वादक हजीरा निवासी हजीरा भस्सूवाला के कन्हैया सिंह को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर

सिंह धामी द्वारा आगामी 8 फरवरी को परेड ग्राउंड देहरादून में सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने के लिए कन्हैया सिंह का नाम चयनित होने पर समाजसेवीका उमा जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता खेम सिंह दानू, राज्य एसटीएससी उपयोजना अनुश्रवण समिति के सदस्य महेंद्र सिंह ने मिल कर उनको स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने इसको क्षेत्र ओर बुक्सा समाज के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया है।

वार्ड नंबर एक में कूड़े का कहर: बदबू से बेहाल लोग, सभासद गायब

गदरपुर। नगर पालिका परिषद का वार्ड नंबर एक इन दिनों कूड़े के ढेर और उससे उठती तेज बदबू के कारण चर्चा में है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि स्थानीय लोग घरों से बाहर निकलने में भी असहज महसूस कर रहे हैं। मोहल्लों में फैला कचरा न सिर्फ स्वच्छता अभियान की पोल खोल रहा है, बल्कि नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि वार्ड से चुनाव जीतने के बाद सभासद राधा मौर्या पूरी तरह "गायब" हैं। चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करने वाली सभासद अब सिर्फ नगर पालिका बोर्ड की बैठकों में औपचारिक उपस्थिति दर्ज कराने तक सीमित रह गई हैं। वार्ड की समस्याओं, खासकर कूड़ा निस्तारण और सफाई व्यवस्था को लेकर उनकी कोई सक्रिय भूमिका नजर नहीं आती। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सभासद की गैरमौजूदगी में एक गैर निर्वाचित व्यक्ति वार्ड से जुड़े प्रस्ताव तैयार कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वही व्यक्ति नगर पालिका से जुड़े अधिकांश कार्यों और कागजी औपचारिकताओं को संभाल रहा है, जबकि जनता द्वारा चुनी गई सभासद केवल बोर्ड बैठक में आकर प्रस्तावों पर हस्ताक्षर कर देती हैं। जनता के बीच अब यह आशंका भी गहराती जा रही है कि कहीं सभासद राधा मौर्या के फर्जी हस्ताक्षर तो नहीं किए जा रहे। वजह यह बताई जा रही है कि सभासद गदरपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर निवास करती हैं और वार्ड में उपलब्ध नहीं रहतीं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि नगर पालिका के दस्तावेजों पर हो रहे हस्ताक्षर वास्तव में सभासद के हैं या किसी और के? वार्डवासियों का कहना है कि कूड़े के ढेर से उठती बदबू के कारण बच्चों और बुजुर्गों का जीना दूभर हो गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि सिर्फ कागजों में ही काम कर रहे हैं। अब जनता की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। गैर निर्वाचित व्यक्ति की भूमिका, प्रस्तावों की वैधता और सभासद के हस्ताक्षरों की सत्यता की जांच जरूरी बताई जा रही है। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो वार्ड नंबर एक की जनता आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर हो सकती है। गदरपुर नगर पालिका प्रशासन के लिए यह मामला केवल बदबू की नहीं, बल्कि विश्वास की सड़ांध का भी बनता जा रहा है।

धार्मिक आयोजनों से समाज में आती है सात्विक चेतना: ठुकराल

रुद्रपुर। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने जगतपुरा मुखर्जी नगर में आयोजित एक दिवसीय भागवत कथा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने भक्तिभाव के साथ कथा श्रवण किया और कथावाचक बसंत कुमार दास को सम्मानित करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा पूर्व विधायक को अंग वस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राजकुमार ठुकराल ने कहा कि भागवत कथा जैसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सात्विक चेतना का संचार होता है और भक्ति मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम में बसंत विश्वास, हरीस विश्वास, बिष्णु मण्डल, करनवीर मण्डल, बसंत बिष्ट, गणेश किरतनिया, शिवानी मण्डल, रीता मण्डल, अनीमा सरकार, गौतम, दीपक सरकार, गौर मण्डल, शंकर मण्डल और दिनेश कुमार सैनी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत आजाद नगर से एक 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग न लगने पर परिजनों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर में आजाद नगर वार्ड नंबर 7 निवासी नन्नी देवी ने बताया कि उनकी पुत्री कविता 1 फरवरी की सुबह करीब 9 बजे बिना बताए घर से कहीं चली गई थी, जो अब तक वापस नहीं लौटी है। परिजनों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार सभी संभावित स्थानों और रिश्तेदारियों में किशोरी की तलाश की, लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही किशोरी के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस-मछली की दुकानों पर रहेगा प्रतिबंध

गदरपुर। महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को देखते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। रिचा सिंह परगना मजिस्ट्रेट, कैंप गदरपुर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि के अवसर पर हरिद्वार से बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर पैदल मार्ग से गदरपुर क्षेत्र से गुजरेंगे और यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर रात्रि विश्राम भी करेंगे।श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए तहसील गदरपुर क्षेत्र में 5 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी मांस व मछली की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट में भी मांस-मछली आदि को खुले में प्रदर्शित करने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कोई भी होटल, ढाबा या रेस्टोरेंट संचालक मांस-मछली को खुले में प्रदर्शित नहीं करेगा। आदेशों का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देशव्यापी हड़ताल की तैयारियां तेज

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई 4 श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) के विरोध में आगामी 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रीय आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए श्रमिक संयुक्त मोर्चा ने कमर कस ली है। शुक्रवार को मोर्चा कार्यालय में आयोजित बैठक में हड़ताल की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई और श्रमिक संगठनों से एकजुट होने का आह्वान किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर पूंजीपतियों के हित में नए कोड्स लागू किए हैं, जिससे मजदूर वर्ग बंधुआ गुलाम बनकर रह जाएगा। उन्होंने बताया कि इस शोषणकारी नीति के खिलाफ देशभर में मजदूरों का गुस्सा बढ़ रहा है और 12 फरवरी की हड़ताल को व्यापक समर्थन मिल रहा है।मोर्चा महामंत्री चंद्रमोहन लखेड़ा ने तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि सिडकुल और इंडस्ट्रियल एरिया में हड़ताल को प्रभावी बनाने के लिए सघन जनसंपर्क किया जा रहा है। कई यूनियनों ने प्रबंधन को हड़ताल का नोटिस थमा दिया है। प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर, पर्चे और बाइक-साइकिल जुलूस निकाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को काम बंद रखने के बाद सभी श्रमिक रुद्रपुर के गांधी पार्क में एकत्रित होंगे, जहां एक विशाल जनसभा के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में मुकुल, दिनेश चंद्र, उत्तम दास, हरेंद्र सिंह और साहेब सिंह सहित कई मजदूर नेता उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष...

संत महापुरूष देश के सांस्कृतिक..गिरि आदि ने प्रदान किया। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भले ही स्वामी जी देह रूप में हमारे बीच नहीं है फिर भी उनकी साधना उनका तप उनका विचार आज भी हमारे बीच जीवित है। उनकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा उनकी चेतना को जाग्रत करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि एक गुरू की परंपरा को उनके शिष्य आगे बढ़ा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भी हरिद्वार आता हूं तो यहां दिव्यता का अनुभव होता है। हरिद्वार भारतीय चेतना का एक सजीव स्पंदनशील केन्द्र है। यह वह स्थान है जहां गंगा मैया पर्वतों को पार कर मैदान पर प्रवेश करती है। हरिद्वार भारत की सांस्कृतिक धारा का एक उदगम स्रोत है। ऐसी भूमि पर संतों के बीच आना सौभाग्य की बात है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा का अर्थ केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा, सभ्यता की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी देश की सीमाओं की रक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र तब तक सुरक्षित नहीं कहा जा सकता जब तक उसकी सांस्कृतिक नींव उसके मूल्य और उसकी पहचान सुरक्षित नहीं है। इतिहास गवाह है जिन राष्ट्रों ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर होने दिया है वह कितने भी भी ताकतवर हो गये हों लेकिन उनका विघटन हुआ है दुनिया की कोई भी ताकत उन्हें बचा नहीं पाई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय सस्कृति संग्रहालय में रखी हुई वस्तु नहीं है यह एक सजीव विकासशील समावेशी शक्ति है यह वह दर्शन है जो वसुधैव कुटुंबकम कहलाता है। यह वह जीवन पद्यति है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य करना भी हमें सिखाती है। यह वह ज्ञान परंपरा है जिसने शून्य दिया। जिसने आयुर्वेद दिया, जिसने योग दिया जिसने विश्व को जीवन जीने की कला भी सिखाई। लेकिन आज यह संस्कृति हमारा रक्षा कवच एक अदृश्य युद्ध के मैदान में है। आज इस पर कई प्रकार के हमले हो रहे हैं। युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है। ग्लोबल कल्चर की चकाचौंध हमारी सांस्कृतिक विरासत को धुधली कर रही है । ऐसे में हमारे लिए सांस्कृतिक पुनरजागरण की ओर आगे बढ़ना अनिवार्यता है । यह समय की मांग है। इसके लिए समाज में संतों से योग्य कोई हो नहीं हो सकता है। संत समाज हमारे सांस्कृतिक योद्धा है और पुनरजागरण का केन्द्र है। आज संत समाज की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इस अवर पर पुष्कर सिंह धामी ने संतजनों को नमन करते हुए कहा कि इस समारोह में सम्मिलित होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन संस्कृति को आगे बढ़ा रहा है। स्वामी सत्यमित्रांद जी महाराज ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र चेतना और मानवता की सेवा में लगा दिया। करूणा के मार्ग पर लोगों को चलने के लिए प्रेरित किया। उनका तपस्वी जीवन और दिव्य चिंतन हमेशा समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सनातन संस्कृति की पताका पूरे विश्व में लहरा रही है। आज दुनिया भर के देश हमारी संस्कृति और दर्शन से परिचित हो रहे हैं। हमारी सरकार भी देवभूमि को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। साथ ही उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के लिए सकल्पबद्ध होकर काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में पिछले 11 वर्षों में हमने व्यापक परिवर्तन देखा है। विरासत और विकास एक साथ चल रहा है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। विरासत को संरक्षित करते हुए विकास की एक लंबी गाथा लिखी जा रही है। यह एक नये भारत के निर्माण की वह गाथा है जिसको वर्षो से वर्तमान पीढ़ी को इसका इंतजार था। जब हम भारत की बात करते हैं तो भारत एक भौगोलिक टुकड़ा मात्र या सत्ता की उपज नहीं है। भारत की ऋषि परंपरा की तपस्या की शाश्वत चेतना का केन्द्र बिंदु है। जिसने जीवन का एक दर्शन दिया है। यहां पर संस्कृति केवल एक आस्था नहीं है एक समग्र जीवन दर्शन है। सनातन चेतना इसका स्वाभाविक प्रवाह है। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत माता समन्वय सेवा ट्रस्ट की ओर से स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के डॉ. अनुज सिंघल एवं डॉ. तारा सिंघल को दिया गया सम्मान उत्तराखंड का सम्मान है। स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी चारधाम मार्ग पर चिकित्सा सेवा दे रही है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भारत माता मंदिर के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी सत्यामित्रानंद गिरि महाराज की समाधि स्थली उत्तराखंड का पांचवां धाम होगा। इस अवसर पर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, महंत बालकानंद जी, ब्रहमस्वरूप जी महाराज, ज्ञानानंद जी महाराज, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल निशंक, विधानसभा अध्यक्ष रितु खण्डूरी आदि समेत तमाम दिग्गज मौजूद रहे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर सैन्यभूमि उत्तराखंड आगमन पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, माननीय केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया।

पिकप और कार ...इस दौरान पास ही स्थित बंजी जंप केंद्र में कार्यरत कुछ युवाओं ने अदम्य मानवता का परिचय देते हुए तुरंत राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने बिना देरी किए घायलों को कार से बाहर निकाला और अपने निजी वाहन से रामनगर स्थित रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. तौहिद ने बताया कि घायलों को सुबह करीब 7:30 बजे अस्पताल लाया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि डॉ. प्रस्तुति के सिर और पैरों में अत्यंत गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उनके सिर की हड्डी तक दिखाई दे रही थी। अस्पताल की टीम ने उनके सिर पर टांके लगाकर रक्तस्राव रोकने का प्रयास किया और प्राथमिक उपचार दिया। वहीं डॉ. अभिषेक के पैरों और कूल्हे में गंभीर चोटें आई हैं। डॉ. तौहिद ने बताया कि घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए और स्वयं घायलों के अनुरोध पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज बरेली रेफर कर दिया गया है। दोनों घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से बरेली भेज दिया गया है। इस भीषण हादसे के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

जहरीला पदार्थ पीने से ...मलकीत सिंह ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि अधिवक्ता प्रवेश मौर्या की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। सूचना मिलने पर एसआई किशोर पंत पुलिस कर्मियों के साथ चिकित्सालय पहुंचे और उन्होंने घटना की विस्तार से जानकारी लेकर ढिल्लू सिंह राणा व मलकीत सिंह के शव कब्जे में लिए व पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया। घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सालय में लोगों की भीड़ लग गई। सूत्रों के हवाले से सामने आया है कि जिस स्थान पर तीनों बैठकर शराब पी रहे थे, वहां पानी की बोतल के स्थान पर किसी जहरीले पदार्थ की बोतल भी मिली है। इससे पूरे मामले में साजिश की आशंका गहराती जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचकर मामले की गहन जांच में जुट गया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी।

घटनार में साजिश ...हो गया है। घटनास्थल से कथित रूप से पानी की एक ऐसी बोतल मिलने की बात सामने आई है, जिसमें जहरीला पदार्थ होने की आशंका जताई जा रही है। यह बोतल वहां कैसे पहुंची, किसने रखी और किन परिस्थितियों में उसका सेवन हुआख्रये सभी बिंदु पुलिस की जांच के केंद्र में हैं। सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या भाजपा नेता और उनके साथी किसी साजिश का शिकार हुए हैं, या फिर यह कोई दुर्भाग्यपूर्ण हादसा था। पुलिस और प्रशासन फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।फिलहाल पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल गर्म है। लोग इस रहस्यमयी घटना के पीछे की सच्चाई जानने का इंतजार कर रहे हैं, वहीं जांच एजेंसियां हर पहलू से मामले को खंगालने में जुटी हुई हैं। पुलिस ने मौके से शराब की बोतलें व संदिग्ध तरल पदार्थ जब्त किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि मृतकों और घायलों के पास गाड़ी में एक बोतल में संदिग्ध रासायनिक तरल था, जिसे उन्होंने पानी समझकर शराब में मिलाकर पी लिया था। घायलों का उपचार कर रहे चिकित्सक डॉ. वी.पी. सिंह ने बताया कि मृतक व घायलों से तीव्र मिथाइल अल्कोहल केमिकल जैसी गंध आ रही थी, जिससे यह आशंका है कि उन्होंने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया है। अस्पताल लाने वाले श्रवण कुमार ने बताया कि तीनों व्यक्तियों ने शाम को 8 पीएम ब्लैक शराब के दो क्वार्टर मंगवाए थे और वाहन से बाहर गए थे। वापस लौटने पर दिल्लू राणा की तबीयत बिगड़ गई और वह उल्टियां करने लगे। जिस पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने जांच के दौरान 8 पीएम ब्लैक के दो खाली क्वार्टर, एक खाली आधा बोतल, एक संदिग्ध प्लास्टिक बोतल, उल्टी के नमूने को सील कर कब्जे में लिया है। फिल्हाल दोनों घायलों का श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, भोजीपुरा में भर्ती ईलाज चल रहा है।

बागेश्वर में भूकंप...अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि भूकंप की तीव्रता कम थी, जिस कारण स्थिति सामान्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और जिले के किसी भी तहसील या गांव से अभी तक किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई खबर प्राप्त नहीं हुई है।

सड़क हादसे में ...खड़े थे। तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में मोहम्मद काजिम की मौत हो गई। इसके बाद बुधवार को बलीनगर निवासी बानो बेगम पत्नी नबीशाह स्कूटी में सवार होकर घर आ रही थी। बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद बानो बेगम ट्रक के पहियों में फंस गई। ट्रक चालक उन्हें काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। जिससे उनके शरीर का अधिकांश हिस्सा चकनाचूर हो गया हैं। हादसे में मृतका के शरीर की हालत देख सबके दिल थर थर कांपने लगे। लगातार बढ़ते हादसों को रोकने के लिए जिम्मेदारों के पास किसी तरह की कोई योजना नहीं है। परिवहन विभाग भी हादसों पर अंकुश लगाने को लेकर लापरवाह चालकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रहा हैं।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम SHARAD YADAV से बदलकर SHARAD SHASHANK YADAV रख लिया है मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना जाए ।

-शरद शशांक यादव पुत्र वेद प्रकाश
वार्ड नंबर 5, किच्छा उधमसिंहनगर

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

भाजपा सरकार की मिनरल पालिसी समाज,उद्योग और प्रदेश के हित में : शिव अग्रवाल

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड की जो वर्तमान मिनरल पालिसी है, वह समाज, उद्योग और प्रदेश के हित में सबसे बेहतरीन पालिसी है। उत्तराखंड के प्रसिद्ध उद्योगपति समाजसेवी एवं कुमार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के स्वामी शिवकुमार अग्रवाल ने आज प्रेस को संबोधित करते हुए उत्तराखंड में खनन, पर्यटन पर खुलकर अपनी बातें रखी। उन्होंने बताया कि उनकी उम्र 75 वर्ष है। उन्हें अपनी व्यापारिक लाइफ का 60 वर्षों यानि 1966 से आज तक का व्यावसायिक अनुभव है। हमारी कंपनी एलएससी इंफ्राटेक लिमिटेड पिछले 35 वर्षों से उत्तराखंड में मिनरल एवं माइनिंग सेक्टर में कार्य कर रही हैं। हमारी कंपनी एशिया की सबसे बड़ी मिनरल प्रोसेसिंग कंपनी है। हमारी 10 यूनिट्स उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और आंध्र प्रदेश में हैं तथा पूरे देश में हमारी कुल 16 व्यापारिक इकाई है व 2000 सदस्यों की हमारी पारिवारिक प्रोफेशनल पार्टनर की संस्था है। उन्होंने बताया कि आजकल समाज में, उत्तराखंड की मिनरल पॉलिसी को लेकर जो आलोचना हो रही है, उसके संदर्भ में वह यह कहना चाहते हैं कि ।उत्तराखंड में, हमारे 35 वर्षों के अनुभव में यह पहली बार है कि विगत डेढ़ साल में खनन से उत्तराखंड सरकार को चार गुना राजस्व प्राप्त हुआ है, जो 300 से बढ़कर 1200 करोड़ हो गया है, जिसका उपयोग विकास कार्यों में किया जाएगा। इससे पहले सरकार के विभागो/सिस्टम की कमजोरी से मिनरल

की लीकेज और चोरी हो रही थी, जबकि स्टोन क्रशिंग इंडस्ट्री को कोई लाभ नहीं हो रहा था, क्योंकि उद्योगो को मुनाफा नहीं हो रहा था। श्री अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखण्ड स्टोन क्रशिंग इंडस्ट्री केवल समाज व व्यवस्था तथा बहुत सारे विभागों के लिये ही कार्य कर रहे थे।लेकिन आज उत्तराखंड में स्टोन क्रशिंग की करीब 400 इकाईयां है जो राज्य का सबसे अधिक रोजगार देने वाला केवल एक मात्र ऐसा उद्योग है। जिससे लगभग 7 लाख परिवार के लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। उन्होंने कहा स्टोन क्रशिंग उद्योग उत्तराखंड का सबसे बड़ा उद्योग है, इससे रॉयल्टी, फारेस्ट ट्रांजिट, जीएसटी, आयकर तथा आरटीओ टैक्स के मद में सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 10000 करोड रूपये का राजस्व, सभी विभागो मिल रहा है। टेंडर प्रक्रिया को अपनाने के लिए माईनिंग विभाग ने हमें संपर्क किया और कहा कि टेंडर प्रक्रिया में भाग लें, लेकिन हमने स्पष्ट रूप से मना कर दिया। हमने कहा कि हम इस तरह की रॉयल्टी कलेक्शन प्रणाली से नहीं जुड़ सकते, क्योंकि यह एक बहुत कठिन कार्य है। उन्होंने बताया प्रदेश के मुखिया पुष्कर सिंह धामी और खनन विभाग की टीम ने इस सेक्टर में बहुत बड़ा रिफार्म करके समाज, उद्योग, रियासत के हित में बहुत अच्छी पालिसी बनायी है, वर्तमान मिनरल पालिसी उत्तराखंड के अलावा हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में भी लागू है। जिससे बहुत सारे विभागों में करप्शन व इरेगुलरिटी दूर हुई तथा प्रदेश को 10 हजार करोड़ रूपये का राजस्व मिल रहा है, ग्राहको की परेशानी दूर हुई है और उन्हें मिनरल सस्ता मिल रहा है। माईनिंग सेक्टर संगठित हुआ है। माईनिंग का काम व्यवस्थित और व्यावसायिक हुआ है, ट्रांसपोर्ट और इंडस्ट्री के व्यवसाय की परेशानी दूर होकर उनको सुख मिला है उनका नफा बढ़ा है।उन्होंने कहा उत्तराखण्ड स्टोन क्रेशर के स्वामियों ने टैक्नोलाजी में काफी रिसर्च और डेवलपमेन्ट करके कोरसैण्ड (धूला रेता) तथा एमसैण्ड (मैन्यूफैक्चरिंग सैण्ड) बनाने की तकनीकी विकसित की, आज देश के अन्य राज्यों के द्वारा हमारी कंपनी से प्रेजेन्टेशन लेकर अपने राज्य में एम-सैण्ड पालिसी बनायी है। मिनरल की मार्केट जो पहले सिकुड कर छोटी हो चुकी थी, रिफार्म होने से इसका जोन उत्तर प्रदेश में बढ़ कर 150 किमी0 तक हो गया है जो कि एक उपलब्धि है। इस इंडस्ट्री का बहुत बडा फायदा यह भी हैं कि जितना भी रेवेन्यू लगभग 10 हजार करोड़ इस इंडस्ट्री से जनरेट होता है व लेबर, ट्रांसपोर्ट और इंडस्ट्री जितना कमाती है, उनका सारा रेवेन्यू उत्तराखंड राज्य में ही खर्च होता है, बाकी अन्य इंडस्ट्री 25 साल से यहाँ लगी है, उनका सारा रेवेन्यू इस राज्य में नहीं लगता है, उनका सिर्फ सैलरी का पैसा ही यहाँ खर्च होता है, बाकी उनका प्रोफिट यहाँ इनवेस्ट नहीं होता। इसलिए खनन उद्योग उत्तराखंड के विकास के लिये बहुत महत्वपूर्ण है।श्री अग्रवाल ने बताया कि उत्तराखंड सरकार को इस सेक्टर पर पूरा फोकस कर, भविष्य में भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए तथा उद्योग को पूर्ण सहयोग करना चाहिये। कुछ स्टोन क्रेशर जो 40 साल पहले लगे थे, अब वह शहर के बीच में आ गये हैं। वर्तमान में शहर की आबादी के बीचों - बीच चल रहे है। उनको आबादी से बाहर ले जाने की जरूरत है।सरकार को शहर के बाहर सरकारी जमीन में स्टोन क्रेशर जोन घोषित करने चाहिये। सरकार को समाज और रियासत के हित में उचित फ्यूचर प्लानिंग करनी चाहिये।

11 गरीब वर वधू बंधे वैवाहिक बंधन में

सितारगंज(उद संवाददाता)। सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग करने वाली शिव कांवर सेवा समिति ने एक और सराहनीय कार्य करते हुए गुरुवार को श्री रामलीला मैदान में 11 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, नगर पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल सहित कई गणमान्य लोगों ने नव दंपतियों को उनके सुखद दांपत्य जीवन का आर्शीवाद दिया। गुरुवार को मौनी बाबा शिव मंदिर से 11 रथों में सजे-धजे दूल्हों की बारात प्रारम्भ की गई। बारात मुख्य मार्गों से होकर गुजरते हुए रामलीला मैदान में पहुंची जहां वधू पक्ष के लोगों के साथ ही आयोजन समिति व गणमान्य लोगों ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया। बारात में विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और वर पक्ष के लोग शामिल रहे। इसके बाद जयमालाओं के साथ वैवाहिक रस्में संपन्न हुई। बारात विदाई के समय समिति के महंत आनंद बोरा के नेतृत्व में समिति के पदाधिकारियों ने सभी जोड़ों को गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों का भी सहयोग रहा।

निचले क्षेत्रों में धान की खेती की अनुमति मिलने पर किसानों ने जताया प्रदेश मंत्री का आभार

गदरपुर (उद संवाददाता)। ऊधमसिंह नगर जिला प्रशासन द्वारा जलभराव वाले निचले क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन धान (सांठी) की नर्सरी और रोपाई की विशेष अनुमति दिए जाने के फैसले का क्षेत्र के किसानों ने जोरदार स्वागत किया है। इस आदेश के बाद गदरपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने भाजपा उत्तराखंड के प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा के कार्यालय पहुँचकर उनका आभार व्यक्त किया।गौरतलब है कि जनपद में ग्रीष्मकालीन धान पर प्रतिबंध के बीच उन क्षेत्रों के किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया था, जहाँ अत्यधिक जलभराव के कारण मक्का या अन्य फसलें उगाना संभव नहीं है। किसानों की इस जायज समस्या को देखते हुए गुंजन सुखीजा ने प्रशासन के समक्ष प्रभावी पैरवी की थी, जिसके परिणामस्वरूप जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा विशेष परिस्थितियों में अनुमति देने का आदेश जारी किया गया। जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार, जिन क्षेत्रों में जलभराव के कारण मक्का नहीं उगाई जा सकती, वहाँ के किसान निर्धारित प्रक्रिया के तहत कृषि या राजस्व विभाग में आवेदन कर सकेंगे, जिसकी स्थलीय जांच के बाद अनुमति प्रदान की जाएगी।किसानों से मुलाकात के दौरान प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार सदैव किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निचले क्षेत्रों के किसानों की पीड़ा जायज थी क्योंकि उनके पास धान के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इस अवसर पर भाजपा नेता भोला शर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य गुरप्रीत सिंह, हजारा सिंह, आशीष मंडल, रणजीत सिंह, लाखन मंडल, प्रभजोत सिंह, नदायी विश्वास, भूपेंद्र कोशियारी और गौरव कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

गंगाजल लेने कांवड़ियों का जत्था रवाना

दिनेशपुर (संवाददाता)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जलाभिषेक हेतु हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए शुक्रवार को दिनेशपुर के वार्ड नंबर 5 स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण से श्रद्धालुओं का जत्था उत्साह और अटूट भक्ति के साथ रवाना हुआ। कांवड़ियों के इस जत्थे के प्रस्थान से पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया।यात्रा पर रवाना होने से पूर्व मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न की गई। इस दौरान महिलाओं ने श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर और आरती उतारकर मंगलमय यात्रा की कामना के साथ उन्हें विदा किया। जय भोलेनाथ और हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने संकल्प लिया कि वे हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लाकर महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी उपस्थित होकर श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में युवाओं की विशेष भागीदारी और उत्साह देखने को मिला। यात्रा की रवानगी के समय भोला मंडल, शिवा चक्रवर्ती, बादल समददार, ध्रुव कुमार, अजय मजूमदार, संजीव मंडल, मालती गाइन, ईतू, अंशुमान, पचानन मजूमदार, अनिकेत गाइन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रुद्रपुर के स्कूलों में व्यापक यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रुद्रपुर। पुलिस महानिरीक्षक /निदेशक यातायात उत्तराखण्ड के निर्देशों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर मणिकान्त मिश्रा के मार्गदर्शन में, पुलिस अधीक्षक अपराध /यातायात निहारिका तोमर एवं क्षेत्राधिकारी यातायात प्रशांत कुमार के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस रुद्रपुर द्वारा 36वें सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत गुरुवार, 5 फरवरी 2026 को व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। निरीक्षक यातायात नरेंद्र कुमार आर्या के नेतृत्व में टीम ने नगर रुद्रपुर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और औद्योगिक संस्थानों/अमर इंटरनेशनल कॉलेज, जनता इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज तथा टाटा मोटर्स पंतनगर (सिडकुल) में जाकर छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा के नियमों, यातायात संकेतों और रोड साइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों जैसे तेज रफ्तार, गलत ओवरटेकिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, बिना हेलमेट व सीट बेल्ट वाहन चलाना, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाना तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने जैसी गंभीर उल्लंघनों से बचाव के लिए नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया। यातायात पुलिस ने लोगों से स्वयं नियमों का पालन करने के साथ-साथ अपने परिवारजनों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता करने वालों को सम्मानित करने के लिए सरकार द्वारा संचालित गुड सेमेरिटन योजना (राहवीर योजना) तथा कानून द्वारा दिए जाने वाले संरक्षण और अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा हिट एंड रन मामलों में पीड़ितों को मिलने वाले मुआवजे और अन्य सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में निरीक्षक यातायात नरेंद्र आर्या के साथ अपर उपनिरीक्षक यातायात रंजीत सिंह, बलवंत सिंह, खीम दास, मुख्य आरक्षी नईम अहमद तथा महिला आरक्षी चंद्रा कांडपाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।